

**Question:****भारतीय संस्कृति**

नम्निलिखित कलाकारों और उनके कला रूपों का मेल मिलाइए:

- |                     |                                 |
|---------------------|---------------------------------|
| कलाकार              | कलारूप                          |
| A. जतनि दास         | 1. सतार                         |
| B. परवीन सुलताना    | 2. चित्रकारी                    |
| C. प्रदोषदास गुप्ता | 3. हृदिसुतानी संगीत (कंठ संगीत) |
| D. उस्ताद वलायत खाँ | 4. मूर्तकिला                    |

1 A-1 B-2 C-3 D-4

2 A-2 B-3 C-4 D-1

3 A-3 B-4 C-2 D-1

4 A-4 B-1 C-3 D-2

Downloaded From: eLearn Pro ( <https://mylearnpro.com/> )

**Concept:**

**जतीन दास** भारतीय चित्रकार व मूर्तकार है। जतनि दास का जन्म दसिम्बर 1941 को उडीसा के मयूरभंज जिले (भारत) में हुआ था। उन्होंने बंबई के सर जे जे स्कूल ऑफ आर्ट में प्रोफेसर एस.बी. पालसकिर के मार्गदर्शन से कला विद्या प्राप्त की। वह बॉलीवुड अभिनेत्री नंदिता दास के पति हैं।

**परवीन सुलताना** एक गायिका है जिन्हें 1976 में महज 23 साल की उम्र में (एक रिकॉर्ड) पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा परवीन सुलताना जी को 1972 में कलियोपेट्रा ऑफ म्यूजिक, 1980 में गंधर्व कला नीधि, 1986 में मयिाँ तानसेन पुरस्कार तथा 1999 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के साथ ही अनेकों पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। परवीन सुलताना की आवाज आज भी सदाबहार बनी हुई है।

**प्रदोष दास गुप्ता**, एक मूर्तकार और 1957 से 1970 तक नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (NGMA), दिल्ली के क्यूरेटर थे; परिवार परिसर में ही रहा। 1970 के दशक में, वे दिल्ली में एक कलाकारों की कॉलोनी, नजामुद्दीन पश्चिम में चले गए, जहाँ वे अपने अधिकांश करियर के लिए रहे।

**वलायत खाँ** का जन्म 1928 में गौरीपुर (इस समय बांग्लादेश) में एक संगीतज्ञ परिवार में हुआ था। पति, प्रख्यात सतार वादक उस्ताद इनायत हुसैन खाँ, की जल्दी मौत के बाद उन्होंने अपने नाना और मामा से सतार बजाना सीखा। आठ वर्ष की उम्र में पहली बार उनके सतारवादन की रिकॉर्डिंग हुई। उन्होंने पाँच दशकों से भी अधिक समय तक अपने सतार का जादू बखिरा। उस्ताद वलायत खाँ की पछिली कई पुश्तें सतार से जुड़ी रहीं और उनके पति इनायत हुसैन खाँ से पहले उस्ताद इमदाद हुसैन खाँ भी जाने-माने सतारवादक रहे थे। उस्ताद वलायत खाँ के दोनों बेटे, सुजात हुसैन खाँ और हृदियत खाँ भी तथा उनके भाई इमरात हुसैन खाँ और भतीजे रईस खाँ भी जाने माने सतार वादक हैं।

**eLearn Pro**  
Learning Made Easy

\* Some Hindi Fonts are not rendered properly.

Downloaded From: eLearn Pro ( <https://mylearnpro.com/> )